Diksharambh-2025

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 26-08-2025**

जीवन को दिशा देता है ज्ञान : टंकेश्वर

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम शुरू

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के अंतर्गत दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए सोमवार से पांच दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम की शुरूआत की गई।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि ज्ञान जीवन को दिशा प्रदान करता है। छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय की ओर से आयोजित कार्यक्रम के पहले दिन स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज व स्कूल ऑफ बेसिक सांइसेज के स्नातकोत्तर कार्यक्रमों और एमटेक में पंजीकृत विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह समय अपने जीवन की दिशा निर्धारित करने का है।

विश्वविद्यालय आवश्यक शिक्षा व कौशल के विकास की दिशा में कार्यरत है। कुलपति ने कहा कि हरियाणा वही धरती है, जहां भगवान श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था। कहा कि शिक्षा जीवन भर जारी रहती है। अर्जित ज्ञान हमारे जीवन को दिशा प्रदान करने का कार्य करता है।

विभिन्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थी अवश्य ही अगले दो वर्षों में अपने जीवन के नए आयामों को प्राप्त करेंगे।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को स्मृति चिह्न भेंट करतीं प्रो. रेनु यादव। स्रोत : हकेंवि

कुलपति ने कहा, शिक्षा जीवन पर्यंत तक उपयोगी

छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. रेनू यादव ने विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं, संसाधनों के बारे में बताया।

प्रो. पवन कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों के समक्ष भारत की परिकल्पना और भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय नियमों के अनुरूप निर्धारित व्यवस्था का अनुसरण करता है। इसलिए इसके संचालन में सहयोग प्रदान करें।

विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. पवन कुमार मौर्य, डॉ. संतोष, डॉ. नंद किशोर, प्रो. मोना शर्मा, डॉ. रजत यादव व डॉ. पूजा ने विश्वविद्यालय की विभिन्न सुविधाओं व उनकी कार्यप्रणाली से अवगत कराया।

आयोजन में उप-छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. नीरज कर्ण सिंह तथा सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मुलाका मारूति व देवेंद्र राजपूत ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited ‘A’ Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 26-08-2025**

हकेंवि में 5 दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम की हुई शुरूआत

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के अंतर्गत दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए सोमवार से 5 दिवसीय दीक्षारम्भ कार्यक्रम शुरू हुआ। छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम के पहले दिन स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज व स्कूल ऑफ बेसिक सांइसेज के स्नातकोत्तर कार्यक्रमों व एम.टेक. में पंजीकृत विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हरि की धरती हरियाणा में सभी का स्वागत है।

कुलपति ने कहा कि शिक्षा जीवन भर जारी रहती है। अर्जित ज्ञान हमारे जीवन को दिशा प्रदान करने का कार्य करता है। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. रेनु यादव ने विद्यार्थियों के समक्ष विस्तृत प्रस्तुतीकरण देते हुए विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं, संसाधनों व विद्यार्थी हितैषी प्रयासों का उल्लेख किया। सम्कुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों के समक्ष भारत की परिकल्पना और भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर विस्तार से प्राशि डाला। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष, सी. एच., प्रोक्टर डॉ. नंद किशोर, प्रोवोस्ट प्रो. मोना शर्मा, मेडिकल ऑफिसर डॉ. रजत यादव व स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. पूजा ने विभिन्न सुविधाओं व उनकी कार्यप्रणाली से अवगत कराया। इसमें उप-छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. नीरज कर्ण सिंह तथा सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मुलाका मारूति व देवेंद्र राजपूत ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited ‘A’ Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 26-08-2025**

हकेंवि में पांच दिवसीय दीक्षारंभ की शुरूआत

संवाद सहयोगी, जागरण • महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में सत्र 2025-26 में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए सोमवार से पांच दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। कार्यक्रम विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह समय जीवन की दिशा निर्धारित करने और उसके लिए आवश्यक शिक्षा व कौशल विकास करने का है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय इस प्रयास में सदैव आपके साथ है। कुलपति ने कहा कि शिक्षा के साथ समय प्रबंधन व नैतिक मूल्यों की भी आवश्यकता है। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. रेनु यादव ने विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं, संसाधनों व विद्यार्थी हितैषी प्रयासों का उल्लेख किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी डा. विकास कुमार, शोध अधिष्ठता प्रो. नीलम सांगवान, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य, पुस्तकालयाध्यक्ष डा. संतोष, प्रोक्टर डा. नंद किशोर, प्रोवोस्ट प्रो. मोना शर्मा व अन्य उपस्थित रहे।

• कुलपति ने कहा, शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों की भी आवश्यकता

• छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन हुआ

कुलपति प्रो . टंकेशवर कुमार को स्मृति चिह्न भेंट करतीं प्रो . रेनु यादव • सौजन्य-हकेंवि

Central University of Haryana

NAAC Accredited ‘A’ Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 26-08-2025**

केंद्रीय विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम की शुरूआत

कुलपति ने भारतीय शिक्षा प्राणाली में उपलब्ध शिक्षा से करवाया अवगत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विवि में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के अंतर्गत दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए सोमवार से पांच दिवसीय दीक्षारम्भ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। विवि के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के पहले दिन स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज व स्कूल ऑफ बेसिक सांइसेज के स्नातकोत्तर कार्यक्रम तथा एमटेक में पंजीकृत विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हरि की धरती हरियाणा में सभी का स्वागत है। यह समय है अपने जीवन की दिशा निर्धारित करने का और उसके लिए आवश्यक शिक्षा व कौशल के विकास का। विवि इस प्रयास में सदैव आपके साथ है। भारतीय शिक्षा प्राणाली में उपलब्ध शिक्षा से करवाया अवगत छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. रेनु यादव ने इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के समक्ष विस्तृत प्रस्तुतिकरण देते हुए विवि में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं, संसाधनों व विद्यार्थी हितैषी प्रयासों का उल्लेख किया। समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों के समक्ष भारत की परिकल्पना और भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के महत्त्व और पुरातन गुरुकुल परम्परा के माध्यम से भारतीय शिक्षा–प्रणाली में उपलब्ध शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के अवसरों पर भी प्रकाश डाला। कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विवि नियमों के अनुरूप निर्धारित व्यवस्था का अनुसरण करता है इसलिए इसके संचालन में सहयोग प्रदान करें। कुलसचिव ने विद्यार्थियों को हरसंभव सहयोग के लिए आश्वस्त करते हुए उनका स्वागत किया। विवि के वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, शोध अधिष्ठता प्रो. नीलम सांगवान, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष, सीएच, प्रोक्टर डॉ. नंद किशोर, प्रोवोस्ट प्रो. मोना शर्मा, मेडिकल ऑफिसर डॉ. रजत यादव व स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. पूजा ने विवि की विभिन्न सुविधाओं व उनकी कार्यप्रणाली से अवगत करवाया।

महेंद्रगढ़। दीक्षारंभ कार्यक्रम में कुलपति प्रो . टंकेशवर कुमार स्मृति चिह्न भेंट करतीं प्रो . रेनु यादव। फोटो : हरिभूमि

शिक्षा के साथ समय प्रबंधन व नैतिक मूल्यों की

प्रो. टंकेशवर कुमार ने कहा कि हरियाणा वहीं धरती है, जहां भगवान श्री कृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था। कुलपति ने कहा कि शिक्षा जीवन भर जारी रहती है। अर्जित ज्ञान हमारे जीवन को दिशा प्रदान करने का कार्य करता है। विभिन्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में अध्ययन करने वाले विद्यार्थी अवश्य ही अगले दो वर्षों में अपने जीवन के नए आयामों को प्राप्त करेंगे। कोई शिक्षक, कोई वैज्ञानिक तो कोई प्रशासनिक सेवा के क्षेत्र की ओर बढ़ेगा और यह दिशा उन्हें अर्जित ज्ञान के माध्यम से ही प्राप्त होगी। प्रो. टंकेशवर कुमार ने अपने संबोधन में शिक्षा के महत्त्व के साथ-साथ समय प्रबंधन व नैतिक मूल्यों की आवश्यकता से भी अवगत कराया। उन्होंने कहा कि देश के विकास के लिए एक उपयुक्त नागरिक के निर्माण में शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों का भी अहम योगदान होता है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: India News Calling **Date: 26-08-2025**

CUH Commences Five-Day 'Deeksharambh' Program

August 25, 2025 03:54 PM

MAHENDERGARH, 25.08.25-The Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh, inaugurated a five-day orientation program "Deeksharambh" on Monday for the students admitted in the academic session 2025-26. The program is being organized by the Office of the Dean, Students' Welfare. Addressing the students of postgraduate programs under the School of Interdisciplinary and Applied Sciences, the School of Basic Sciences, and M.Tech. programmes, CUH Vice-Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar extended a warm welcome, stating that this is the time for students to shape their future through education and skill development. He emphasized that learning is a lifelong process and that knowledge, time management, and moral values play a vital role in shaping responsible citizens for the nation's progress. Prof. Renu Yadav, Dean, Students' Welfare, made a detailed presentation highlighting student-centric facilities and resources available at CUH. The Pro-Vice Chancellor, Prof. Pawan Kumar Sharma, spoke on the vision of India and the role of youth in nation-building, with a special focus on the National Education Policy and holistic development opportunities rooted in India's traditional Gurukul system.

Prof. Suneel Kumar, Registrar underlined the importance of adhering to university rules and assured all possible support to the students. Other university officials including Dr. Vikas Kumar, Finance Officer; Prof. Neelam Sangwan, Dean Research; Prof. Pawan Kumar Maurya, Dean Academics; Dr. Santosh C.H., Librarian; Prof. Nand Kishore, Proctor; Prof. Mona Sharma, Provost; Dr. Rajat Yadav, Medical Officer and Health Centre In-charge Dr. Pooja briefed the students about various facilities and services.

The program was coordinated by Deputy Dean, Students' Welfare, Dr. Neeraj Karan Singh, along with Assistant Dean, Students' Welfare Dr. Mulaka Maruti and Devendra Rajput. On this occasion Prof. Antresh Kumar, Prof. Rupesh Deshmukh, Prof. Vikas Beniwal, Prof. Sunita Srivastava, Dr. Umesh Kumar, Prof. Vipan Parihar, Dr. Anita Singh, Prof. Shri Ram Pandey, Prof. Dinesh Kumar Gupta, Prof. Harish Kumar, Prof. Singara Singh, Prof. M.L. Meena, Prof. A.K. Yadav and Prof. Ranjan Kumar Sahoo were also present with a large number of students, faculty members, and officers.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navodaya Times **Date: 26-08-2025**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम शुरू

महेंद्रगढ़, 25 अगस्त (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के अंतर्गत दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए सोमवार से पाँच दिवसीय दीक्षारम्भ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के पहले दिन स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज व स्कूल ऑफ बेसिक सांइसेज के स्नातकोत्तर कार्यक्रमों तथा एम.टेक. में पंजीकृत विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हरि की धरती हरियाणा में सभी का स्वागत है। यह समय है अपने जीवन की दिशा निर्धारित करने का और उसके लिए आवश्यक शिक्षा व कौशल के विकास का। विश्वविद्यालय इस प्रयास में सदैव आपके साथ है।

प्रो. टंकेशवर कुमार ने विद्यार्थियो को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा वही धरती है जहाँ भगवान श्री कृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था। कुलपति ने अपने संबोधन में विशेष रूप से विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्त्व और उसे अर्जित करने के लिए आवश्यक परिश्रम से अवगत कराया। कुलपति ने कहा कि शिक्षा जीवन भर जारी रहती है। अर्जित ज्ञान हमारे जीवन को दिशा प्रदान करने का कार्य करता है।

कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार को स्मृति चिह्न भेंट करतीं प्रो. रेनु यादव।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. रेनु यादव ने इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के समक्ष विस्तृत प्रस्तुतिकरण देते हुए विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं, संसाधनों व विद्यार्थी हितैषी प्रयासों का उल्लेख किया। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों के समक्ष भारत की परिकल्पना और भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर विस्तार से प्रिाश डाला। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के महत्त्व और पुरातन गुरुकुल परम्परा के माध्यम से भारतीय शिक्षा प्रणाली में उपलब्ध शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के अवसरों पर भी प्रकाश डाला।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विद्यार्थियो को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय नियमों के अनुरूप निर्धारित व्यवस्था का अनुसरण करता है इसलिए इसके संचालन में सहयोग प्रदान करें। कुलसचिव ने विद्यार्थियों को हरसंभव सहयोग के लिए आश्वस्त करते हुए उनका स्वागत किया। विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी डा. विकास कुमार, शोध अधिष्ठता प्रो. नीलम सांगवान, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य, पुस्तकालयाध्यक्ष डा. संतोष, सी.एच., प्रोक्टर डा. नंद किशोर, प्रोवोस्ट प्रो. मोना शर्मा, मेडिकल ऑफिसर डा. रजत यादव व स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डा. पूजा ने विश्वविद्यालय की विभिन्न सुविधाओं व उनकी कार्यप्रणाली से अवगत कराया। आयोजन में उप-छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. नीरज कर्ण सिंह तथा सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मुलाका मारूति व देवेंद्र राजपूत ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की। इस अवसर पर भारी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक व अधिकारी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 27-08-2025**

उज्ज्वल भविष्य निर्माण के लिए महत्त्वपूर्ण है स्नातकोत्तर अध्ययन : प्रो. टंकेशवर कुमार

विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थी इस कार्यकाल में स्वयं को भविष्य के लिए तैयार करते हैं

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के अंतर्गत दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए जारी दीक्षारंभ कार्यक्रम के दूसरे दिन मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पीठ, व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन तथा विधि पीठ के स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में पंजीकृत विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का महत्त्व युवाओं के भविष्य निर्माण में अहम होता है।

विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थी इस कार्यकाल में स्वयं को भविष्य के लिए तैयार करते हैं और व्यावसायिक आवश्यकताओं, उच्च शिक्षा, शोध व नवाचार के क्षेत्र में कार्य करने के लिए जरूरी ज्ञान अर्जित करते हैं। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम युवाओं के भविष्य निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जहां तक विश्वविद्यालय की बात है तो यहां होने वाला अध्ययन व्यावसायिक, व्यावहारिक व तकनीकी विकास के लिहाज से किसी भी अन्य शिक्षण संस्थान की अपेक्षा अधिक बेहतर और भविष्योपयोगी होता है। कुलपति ने सभी नवागन्तुक विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि अवश्य ही उनके अध्ययन के ये वर्ष भविष्य निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेंगे।

दीक्षारंभ कार्यक्रम में कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार स्मृति चिह्न भेंट करतीं प्रो. रेनु यादव व दीक्षारंभ कार्यक्रम में नवप्रवेशित विद्यार्थियों को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. रेनु यादव ने इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के समक्ष विस्तृत प्रस्तुतिकरण देते हुए विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं, संसाधनों व विद्यार्थी हितैषी प्रयासों का उल्लेख किया। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें विश्वविद्यालय में प्राप्त होने वाली शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से भारत निर्माण में योगदान के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विद्यार्थियो को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय नियमों के अनुरूप निर्धारित व्यवस्था का अनुसरण करता है इसलिए विद्यार्थी विश्वविद्यालय के द्वारा निर्धारित नियमों का पालन करें।

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, शोध अधिष्ठता प्रो. नीलम सांगवान, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य, उप- पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. आकाश सक्सेना, प्रोक्टर डॉ. नंद किशोर, वार्डन डॉ. रवि पांडे ने विश्वविद्यालय की विभिन्न सुविधाओं व उनकी कार्यप्रणाली से अवगत कराया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. अमन, प्रो. सुशीला, प्रो. सुनीता तंवर, डॉ. प्रदीप, प्रो. रंजन अनेजा सहित भारी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक व अधिकारी उपस्थित रहे। आयोजन में उप-छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. नीरज कर्ण सिंह तथा सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मुलाका मारूति व देवेंद्र राजपूत ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 27-08-2025**

पीजी पाठ्यक्रम भविष्य निर्माण में अहम

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दीक्षारंभ कार्यक्रम के दूसरे दिन कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम युवाओं के भविष्य निर्माण में अहम होते हैं।

उन्होंने कहा कि विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थी इस कार्यकाल में स्वयं को भविष्य के लिए तैयार करते हैं और व्यावसायिक आवश्यकताओं, उच्च शिक्षा, शोध व नवाचार के क्षेत्र में कार्य करने के लिए जरूरी ज्ञान अर्जित करते हैं।

हकेंवि में दीक्षांत कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। स्रोत: हकेंवि

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम युवाओं के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यहां होने वाला अध्ययन व्यावसायिक, व्यावहारिक व तकनीकी विकास के लिहाज से किसी भी अन्य शिक्षण संस्थान की अपेक्षा अधिक बेहतर और भविष्योपयोगी होता है।

प्रो. रेनू यादव ने विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं, संसाधनों व विद्यार्थी हितैषी प्रयासों का उल्लेख किया। प्रो. पवन कुमार शर्मा ने कौशल विकास के माध्यम से भारत निर्माण में योगदान के लिए प्रेरित किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Gurgaon Today **Date: 27-08-2025**

केंद्रीय विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम की हुई शुरूआत

कुलपति ने कहा शिक्षा जीवन पर्यन्त तक उपयोगी।

सुरेंद्र चौधरी, गुड़गांव टुडे

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के अंतर्गत दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए सोमवार से पाँच दिवसीय दीक्षारम्भ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के पहले दिन स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज व स्कूल ऑफ बेसिक सांइसेज के स्नातकोत्तर कार्यक्रमों तथा एम.टेक. में पंजीकृत विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हरि की धरती हरियाणा में सभी का स्वागत है। यह समय है अपने जीवन की दिशा निर्धारित करने का और उसके लिए आवश्यक शिक्षा व कौशल के विकास का। विश्वविद्यालय इस प्रयास में सदैव आपके साथ है।

प्रो. टंकेशवर कुमार ने विद्यार्थियो को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा वही धरती है, जहाँ भगवान श्री कृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था। कुलपति ने अपने संबोधन में विशेष रूप से विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्त्व और उसे अर्जित करने के लिए आवश्यक परिश्रम से अवगत कराया। विभिन्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थी अवश्य ही अगले दो वर्षों में अपने जीवन के नए आयामों को प्राप्त करेंगे। कोई शिक्षक, कोई वैज्ञानिक तो कोई प्रशासनिक सेवा के क्षेत्र की ओर बढ़ेगा और यह दिशा उन्हें अर्जित ज्ञान के माध्यम से ही प्राप्त होगी। उन्होंने अपने संबोधन में शिक्षा के महत्त्व के साथ-साथ समय प्रबंधन व नैतिक मूल्यों की आवश्यता से भी अवगत कराया।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. रेनु यादव ने इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के समक्ष विस्तृत प्रस्तुतिकरण देते हुए विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं, संसाधनों व विद्यार्थी हितैषी प्रयासों का उल्लेख किया। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों के समक्ष भारत की परिकल्पना और भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर विस्तार से प्रशि डाला। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के महत्त्व और पुरातन गुरुकुल परम्परा के माध्यम से भारतीय शिक्षा ऋप्रणाली में उपलब्ध शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के अवसरों पर भी प्रकाश डाला।विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विद्यार्थियो को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय नियमों के अनुरूप निर्धारित व्यवस्था का अनुसरण करता है इसलिए इसके संचालन में सहयोग प्रदान करें।

विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, शोध अधिष्ठता प्रो. नीलम सांगवान, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष, सी.एच., प्रोक्टर डॉ. नंद किशोर, प्रोवोस्ट प्रो. मोना शर्मा, मेडिकल ऑफिसर डॉ. रजत यादव व स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. पूजा ने विश्वविद्यालय की विभिन्न सुविधाओं व उनकी कार्यप्रणाली से अवगत कराया।

आयोजन में उप-छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. नीरज कर्ण सिंह तथा सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मुलाका मारूति व देवेंद्र राजपूत ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की। इस अवसर पर भारी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक व अधिकारी उपस्थित रहे।

भविष्य निर्माण के लिए महत्त्वपूर्ण है स्नातकोत्तर अध्ययन: प्रो. टंकेशवर कुमार

हकेवि दीक्षारंभ कार्यक्रम का दूसरा दिन

नवबिहार दूत संवाददाता

महेंद्रगढ़ (हरियाणा) हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के अंतर्गत दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए जारी दीक्षारंभ कार्यक्रम के दूसरे दिन मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पीठ, व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन तथा विधि पीठ के स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में पंजीकृत विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का महत्त्व युवाओं के भविष्य निर्माण में अहम होता है। विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थी इस कार्यकाल में स्वयं को भविष्य के लिए तैयार करते हैं और व्यावसायिक आवश्यकताओं, उच्च शिक्षा, शोध व नवाचार के क्षेत्र में कार्य करने के लिए जरूरी ज्ञान अर्जित करते हैं। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम युवाओं के भविष्य निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जहाँ तक विश्वविद्यालय की बात है तो यहाँ होने वाला अध्ययन व्यावसायिक, व्यावहारिक व तकनीकी विकास के लिहाज से किसी भी अन्य शिक्षण संस्थान की अपेक्षा अधिक बेहतर और भविष्योपयोगी होता है। कुलपति ने सभी नवागन्तुक विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि अवश्य ही उनके अध्ययन के ये वर्ष भविष्य निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेंगे। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. रेनु यादव ने इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के समक्ष विस्तृत प्रस्तुतिकरण देते हुए विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं, संसाधनों व विद्यार्थी हितैषी प्रयासों का उल्लेख किया। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें विश्वविद्यालय में प्राप्त होने वाली शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से भारत निर्माण में योगदान के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विद्यार्थियो को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय नियमों के अनुरूप निर्धारित व्यवस्था का अनुसरण करता है इसलिए विद्यार्थी विश्वविद्यालय के द्वारा निर्धारित नियमों का पालन करें। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, शोध अधिष्ठता प्रो. नीलम सांगवान, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य, उप- पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. आकाश सक्सेना, प्रोक्टर डॉ. नंद किशोर, वार्डन डॉ. रवि पांडे ने विश्वविद्यालय की विभिन्न सुविधाओं व उनकी कार्यप्रणाली से अवगत कराया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. अमन, प्रो. सुशीला, प्रो. सुनीता तंवर, डॉ. प्रदीप, प्रो. रंजन अनेजा सहित भारी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक व अधिकारी उपस्थित रहे। आयोजन में उप-छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. नीरज कर्ण सिंह तथा सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मुलाका मारूति व देवेंद्र राजपूत ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 28-08-2025**

शिक्षा से नैतिक मुल्यों का भी होता है विकास

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार स्मृति चिह्न भेंट करतीं प्रो. रेनु यादव। स्रोत- हकेंवि

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र के अंतर्गत दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए जारी कार्यक्रम में विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि शिक्षा से किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक समझ व नैतिक मूल्यों का विकास होता है। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 28-08-2025**

'जीवन में राष्ट्र प्रथम होना चाहिए'

दीक्षारंभ कार्यक्रम के तीसरे दिन कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार स्मृति चिह्न भेंट करतीं प्रो. रेनु यादव ● सौजन्यः हकेंवि

संवाद सहयोगी, जागरण. महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के अंतर्गत दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए जारी दीक्षारंभ कार्यक्रम के तीसरे दिन स्कूल आफ एजुकेशन के विभिन्न कार्यक्रमों में पंजीकृत विद्यार्थियों से कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि जीवन में राष्ट्र प्रथम होना चाहिए और यही जीवन का धर्म होना चाहिए। उन्होंने कहा कि चूंकि आप भविष्य के शिक्षक हैं इसलिए आपकी जिम्मेदारी अपेक्षाकृत अधिक है।

समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने कहा कि आपने क्या अध्ययन किया इससे अधिक महत्वपूर्ण है कि कैसे अध्ययन करते हैं। शिक्षकों की शिक्षा के लिए आवश्यक है कि जब हम विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिए जाएं तो हमारी अध्ययन प्रणाली में ऐसे उदाहरण समाहित हों और हमारे आसपास उपलब्ध व्यावहारिक उदाहरण हों।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: India News Calling **Date: 28-08-2025**

Deeksharambh Program at CUH : Vice-Chancellor Emphasizes 'Nation First'

August 27, 2025 06:07 PM

MAHENDERGARH, 27.08.25-On the third day of the ongoing Deeksharambh (Student Induction) Program for the academic session 2025-26 at the Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh,Vice-Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor addressed the newly admitted students of the School of Education. He expressed that "Nation First" should be the guiding principle of life and highlighted the greater responsibility of future teachers in shaping society and the nation.

Prof. Tankeshwar Kumar stressed that the University education goes beyond bookish knowledge, fostering practical understanding and moral values. He remarked that a teacher's true success lies in lifelong learning and continuous pursuit of knowledge. Referring to CUH as a "Mini India," he encouraged students to embrace the diverse culture, traditions, and values they experience during their academic journey.

Prof. Pawan Kumar Sharma, Pro-Vice-Chancellor welcoming the students, underlined the importance of "how to learn" rather than "what we learn." He said that teacher education requires integrating real-life examples into the learning process and reaffirmed that the spirit of Nation First must always remain central.

Prof. Renu Yadav, Dean Students' Welfare gave a detailed presentation on student-centric facilities and resources available at the University. Prof. Suneel Kumar Registrar welcomed the students and emphasized adherence to rules and regulations along with academic and co-curricular participation. He assured students of the University administration's continuous support.

Other senior officials, including Controller of Examinations Prof. Rajeev Kaushik, Finance Officer Dr. Vikas Kumar, Dean Research Prof. Neelam Sangwan, Dean Academic Affairs Prof. Pawan Kumar Maurya, Proctor Dr. Nand Kishore, and Wardens Dr. Manish Kumar, introduced the students to various facilities and procedures of the University.

The program also witnessed the presence of Dean, School of Education Prof. Ravinder Pal Ahlawat, Prof. Pramod Kumar, HoD, Department of Education; Prof. J.P. Bhukar, HoD, Department of Physical Education and Sports a large number of students, faculty members, and officers. The event was successfully coordinated by Dr. Neeraj Karn Singh, Deputy Dean, along with Assistant Deans Students' Welfare Dr. Mulaka Maruti and Devendra Rajput.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navodaya Times **Date: 28-08-2025**

'किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक समझ जरूरी'

महेंद्रगढ़, 27 अगस्त (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के अंतर्गत दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए जारी दीक्षारंभ कार्यक्रम के तीसरे दिन स्कूल ऑफ एजुकेशन के विभिन्न कार्यक्रमों में पंजीकृत विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि किताबी ज्ञान के अलावा व्यावहारिक समझ व नैतिक मूल्यों का विकास जरूरी है।

विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि आपने क्या अध्ययन किया इससे अधिक महत्त्वपूर्ण है कि आप कैसे अध्ययन करते हैं। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. रेनु यादव ने इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के समक्ष विस्तृत प्रस्तुतिकरण देते हुए विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं, संसाधनों व विद्यार्थी हितैषी प्रयासों का उल्लेख किया। यहां विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, शोध अधिष्ठता प्रो. नीलम सांगवान, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रोक्टर डा. नंद किशोर, वार्डन डा. मनीष कुमार मौजूद रहे। इस अवसर पर शिक्षक शिक्षा पीठ के अधिष्ठाता प्रो. रविंद्र पाल अहलावत, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. जे.पी. भूकर सहित भारी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक व अधिकारी उपस्थित रहे। आयोजन में उप-छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. नीरज कर्ण सिंह तथा सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मुलाका मारूति व देवेंद्र राजपूत ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की।

दीक्षारंभ कार्यक्रम के तीसरे दिन कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार को स्मृति चिह्न भेंट करतीं प्रो. रेनु यादव।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 29-08-2025**

विद्यार्थियों को नवाचार व स्टार्टअप के लिए किया प्रेरित

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में चल रहे दीक्षारंभ कार्यक्रम के चौथे दिन स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के बी.टेक. कोर्सों में पंजीकृत विद्यार्थियों को कुलपति ने संबोधित किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने तकनीक और नवाचार को सफलता की कुंजी बताया।

उन्होंने विद्यार्थियों को स्टार्टअप, नवाचार और समाज व देश की समस्याओं के समाधान के लिए तकनीक का प्रयोग करने को प्रेरित किया। समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए तकनीकी विकास को चुनौती नहीं बल्कि अवसर बताया। कार्यक्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. रेनु यादव ने मुख्य अतिथि का पौधा भेंटकर स्वागत किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 29-08-2025**

नवाचार से ही रोजगार सृजन संभव: टंकेशवर

महेंद्रगढ़,(पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र के अंतर्गत दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए जारी दीक्षारंभ कार्यक्रम के चौथे दिन स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के बीटेक कार्यक्रमों में पंजीकृत विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को नवाचार के लिए प्रेरित किया और कहा कि आज का युग तकनीक का युग है और इसके प्रयोग से ही रोजगार सृजन का मार्ग प्रशस्त होगा।

कुलपति ने विद्यार्थियों को रोजगार पाने के बजाए रोजगार देने योग्य बनने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि तकनीक आज तेजी से बदल रही है और जो भी देश इस मोर्चे पर उल्लेखनीय प्रयास कर रहा है, उसकी उपस्थिति विश्व समुदाय में मजबूत नजर आती है। भारत के संदर्भ में तकनीकी विकास की बात करें तो ऑपरेशन सिंदूर में जिस तरह से भारत निर्मित सैन्य उपकरणों के माध्यम से

- **भारत निर्मित सैन्य उपकरणों के माध्यम से पाकिस्तान के हमलों को नाकाम किया, भारत सुरक्षा के मोर्चे पर बेहद मजबूत है**

पाकिस्तान के हमलों को नाकाम किया गया, उससे स्पष्ट हो गया है कि भारत सुरक्षा के मोर्चे पर बेहद मजबूत है।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. रेनु यादव ने मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार का पौधा भेंट कर स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय में अध्ययन अध्यापन के लिए संस्थगत स्तर पर निरंतर नई सुविधाओं का विकास जारी है। जहां तक बात स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग की है, तो इसके लिए भी एक नए भवन का निर्माण जल्द होने जा रहा है।

पंजाब केसरी
Fri, 29 August 2025
https://mpaper.punjabkesari.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 30-08-2025**

भविष्य निर्माण में निर्णायक है विश्वविद्यालयीय शिक्षा : कुलपति

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दीक्षारंभ कार्यक्रम का समापन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में चल रहे पांच दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम का शुक्रवार को समापन हो गया। इस दौरान मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में विश्वविद्यालयीय शिक्षा निर्णायक है।

विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय की लोकपाल प्रो. ऊषा अरोड़ा उपस्थित रहीं। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में बिताया गया यह समय भविष्य निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में कक्षाओं में अध्ययन के साथ-साथ विश्व की व्यावहारिक समझ और उसके प्रायोगिक ज्ञान के साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के अवसर उपलब्ध हैं। कुलपति ने सभी विद्यार्थियों को भविष्य को ध्यान में रखते हुए अध्ययन-अध्यापन, शोध, नवाचार के लिए प्रेरित किया।

हकेंवि में दीक्षारंभ कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. ऊषा अरोड़ा को स्मृति चिह्न भेंट करतीं प्रो. सुनीता श्रीवास्तव। स्रोत- हकेंवि

ऊषा अरोड़ा ने कहा कि विद्यार्थी विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं से लाभान्वित होंगे। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. रेनू यादव ने विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं, संसाधनों के बारे में बताया।

कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में अध्ययन-अध्यापन के लिए संस्थागत स्तर पर निरंतर नई सुविधाओं का विकास जारी है। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, शोध अधिष्ठता प्रो. नीलम सांगवान, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य, स्कूल ऑफ लाइफ लांग लर्निंग के डीन प्रो. आशीष माथुर, डॉ. रीना ने विश्वविद्यालय की सुविधाओं के बारे में बताया।

इस अवसर पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. आकाश सक्सेना, प्रो. विनोद, प्रो. मोना शर्मा, डॉ. राजीव वशिष्ठ, डॉ. विष्णु कुचेरिया, डॉ. राकेश कुमार सहित भारी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक व अधिकारी उपस्थित रहे।

दीक्षारंभ कार्यक्रम के पांचवें दिन बीएससी, एमएससी रसायन विज्ञान, बीएससीए एमएससी भौतिकी, बीएससी, एमएससी गणित, बीएससी मनोविज्ञान (ऑनर्स), बीवॉक बायोमेडिकल साइंसेज, बीवॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट, बीवॉक इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनजमेंट के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 29-08-2025**

भविष्य निर्माण में निर्णायक है विवि शिक्षा : प्रो. टंकेशवर

- हकेंवि में दीक्षारम्भ कार्यक्रम का हुआ समापन

महेंद्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के अंतर्गत दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए जारी पांच दिवसीय दीक्षारम्भ कार्यक्रम का शुक्रवार को समापन हो गया। कार्यक्रम के अंतिम दिन विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय की लोकपाल (ओम्बुड्सपर्सन) प्रो. ऊषा अरोड़ा उपस्थित रही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए बिताया गया यह समय भविष्य निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय में कक्षाओं में अध्ययन के साथ-साथ विश्व की व्यावहारिक समझ और उसके प्रायोगिक ज्ञान के साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के अवसर उपलब्ध हैं। कुलपति ने सभी विद्यार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए अध्ययन-अध्यापन, शोध, नवाचार के लिए प्रेरित किया और कहा कि अवश्य ही यहां अर्जित ज्ञान के माध्यम से विद्यार्थी स्वयं व अन्य लोगों के लिए रोजगार सृजन का मार्ग प्रशस्त करेंगे। कुलपति ने आयोजन में उपस्थित विशिष्ट अतिथि व विश्वविद्यालय की लोकपाल प्रो. ऊषा अरोड़ा का भी स्वागत किया व उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रो. ऊषा अरोड़ा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय में उपलब्ध नवसृजन के अवसरों की ओर ध्यान आकर्षित किया और कहा कि अवश्य ही विद्यार्थी विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं से लाभान्वित होंगे और अपना सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करेंगे। प्रो. अरोड़ा ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जिस तरह से विश्वविद्यालय उनके नेतृत्व में प्रगति कर रहा है, वह बेहद सराहनीय है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने भी नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें अध्ययन, नवाचार व कौशल विकास के लिए विश्वविद्यालय में उपलब्ध अवसरों का उल्लेख करते हुए उनके भरपूर उपयोग के लिए प्रेरित किया।

छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. रेनु यादव ने विद्यार्थियों के समक्ष विस्तृत प्रस्तुतीकरण देते हुए विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं, संसाधनों व विद्यार्थी हितैषी प्रयासों का उल्लेख किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में अध्ययन-अध्यापन के लिए संस्थागत स्तर पर निरंतर नई सुविधाओं का विकास जारी है। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, शोध अधिष्ठता प्रो. नीलम सांगवान, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य, स्कूल ऑफ लाइफ लांग लर्निंग के डीन प्रो. आशीष माथुर, डॉ. रीना ने विश्वविद्यालय की विभिन्न सुविधाओं व उनकी कार्यप्रणाली से अवगत कराया। इस अवसर पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. आकाश सक्सेना, प्रो. विनोद, प्रो. मोना शर्मा, डॉ. राजीव वशिष्ठ, डॉ. विष्णु कुचेरिया, डॉ. राकेश कुमार सहित भारी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक व अधिकारी उपस्थित रहे। दीक्षारंभ कार्यक्रम के पांचवे दिन बी.एससी एम.एससी. रसायन विज्ञान, बी.एससी. एम.एससी. भौतिकी, बी.एससी. एम.एससी. गणित, बी.एससी. मनोविज्ञान (ऑनर्स), बी.वॉक- बायोमेडिकल साइंसेज, बी.वॉक- रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट, बी.वॉक- इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। आयोजन में उप-छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. नीरज कर्ण सिंह तथा सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मुलाका मारूति व देवेंद्र राजपूत ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

दीक्षारंभ कार्यक्रम के पांचवें दिन विद्यार्थियों को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार। (छाया : पंजाब केसरी)